ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 29-10-2024

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-10-29 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-10-30	2024-10-31	2024-11-01	2024-11-02	2024-11-03
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	39.0	39.0	38.0	38.0	38.0
न्यूनतम तापमान(से.)	21.0	20.0	20.0	20.0	19.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	31	24	25	21	20
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	14	13	13	11	11
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	10	10	7	10	9
पवन दिशा (डिग्री)	269	340	273	261	272
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	6

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहने की संभावना। अधिकतम तापमान 38.0 से 39.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 19.0 से 21.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना। हवा की गति 7-10 किमी/घंटा रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि रबी फसलों गेहूं, जौ, जीरे व ईसबगोल की बुवाई के लिए अच्छी किस्मों के प्रमाणित बीजों, खाद तथा बीज उपचार हेतू रसायन की व्यवस्था करें ताकि समय पर बुवाई की जा सके।

लघु संदेश सलाहकार:

किसान भाई जीरा, ईसबगोल, गेहूँ तथा जौ की बुवाई से 15-20 दिन पूर्व 08 से 10 टन अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर की दर से मिट्टी में मिला दे।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	गेहूं की फसल की बुवाई का उपयुक्त समय नवंबर के पहले सप्ताह से शुरू हो जाता है। अतः उन्नत किस्मों के बीज, खाद तथा बीज उपचार हेतू रसायन की व्यवस्था करें। उन्नत किस्में राज 1482,राज 3077, राज 3765, राज 3777, राज 4037, राज 4083, पी बी डब्ल्यू 590, जी डब्ल्यू 11 एंव के आर एल 213 है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
जीरा	जीरे की बुवाई के लिए खाद, बीज तथा बीज उपचार हेतू रसायन की व्यवस्था करें। आर.जेड-19, जी.सी-4, आर.जेड-209 व आर.जेड-223 उन्नत किस्में है।
	ईसबगोल की बुवाई का उचित समय 01 से 15 नवम्बर हैं अतः बुवाई हेतू उन्नत किस्मों के बीज जैसे जी.आई-2, आर.आई-1, आर.आई-89 की व्यवस्था करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि पशुओं को चिंचड़ी, जुंए, पिस्सू तथा गोमक्खी से बचाव हेतु पंजीकृत पशु चिकित्सक की सलाह अनुसार पशु शरीर के ऊपर 2 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से डेल्टा मेथ्रिन (बुटोक्स) का प्रयोग करें।
भेंस	बदलते मौसम में पशुओं में गलघोंटू (H.S) व ठप्पा रोग (B.Q) के फैलने की संभावना अत्यधिक रहती है। अतः समय रहते इनके टीके अवश्य लगवाएं।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	दिन के तापमान को देखते हुए नए लगाए गए फलों के पौधों और सब्जियों के खेतों में मिट्टी में पर्याप्त नमी बनाए रखें।